सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.c swarajindi- swarajindi-

सांध्यकालीन समाचार पत्र

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

बाबा आनंदेश्वर व्यापारिक सेवा समिति द्वारा सांसद व पुलिस कमिश्नर का सम्मान

कानपुर ,शनिवार , 06 सितंबर 2025
वर्षः 02, अंकः 235, पृष्ठः 8+4

इनसाइड अयोध्या का गुप्तार घाट बना कमाई का अड्डा » Pg12

» Pg10

यूपी में उद्योगों को मिलेगी रफ्तार

15 दिन में मिलेगी जमीन, हर महीने अपडेट होगा 25,000 एकड़ का लैंड

- विकास और रोजगार की नई राह
- सौर विनिर्माण, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, आईटी-आईटीईएस और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष लैंडबैंक तैयार किए जाएंग।
- 132 से अधिक परियोजनाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी।

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। अब 100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए मात्र 15 दिन में भूमि आवंटन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही 25,000 एकड़ का लैंड बैंक हर महीने अपडेट किया जाएगा, जिसकी जानकारी निवेशकों को एक क्लिक पर उपलब्ध होगी ।यह निर्णय ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यशाला में लिया गया, जिसमें सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के अधिकारी शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य भूमि संबंधी लंबित मुद्दों का समाधान कर 1.68 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारना था।'

निवेश मित्र 3.0 ' के तहत प्रक्रियाओं को सरल और पूरी तरह डिजिटल किया जाएगा।

सर्वेक्षण में सामने आया कि प्रदेश के 33,000 औद्योगिक भूखंडों में 25त्न अभी भी खाली हैं, जिन्हें निवेशकों को उपलब्ध कराया जाएगा ।सरकार का मानना है कि इन कदमों से प्रदेश में बड़े स्तर पर उद्योगों की स्थापना होगी, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी

राकेश सचान ने सपरिवार सीएम योगी से की मुलाकात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ से आज शनिवार को लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास 5 कालिदास मार्ग पर यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं कानपुर देहात की भोगनीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक राकेश सचान ने सपरिवार शिष्टाचार भेंट किया..!!

मैनपुरी में इंस्टाग्राम प्रेम प्रसंग ने ली खौफनाक करवट

- कैमरे में फिल्टर लगाकर फोटो खींचती थी 52 साल की महिला,
- 25 वर्षीय प्रेमी ने महिला की गला घोंटकर की हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मैनपुरी। जिले में एक इंस्टाग्राम प्रेम कहानी खौफनाक जुर्म में बदल गई।

करीब दो महीने पहले मैनपुरी निवासी अरुण राजपूत की सोशल मीडिया पररानी नामक महिला से जान-पहचान हुई थी। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती चली गईं।

बताया जा रहा है कि दोनों घंटों कॉल और वीडियो कॉल पर बात करते थे। वीडियो कॉल पर महिला फ़िल्टर का इस्तेमाल कर खुद को जवान दिखाती थी। अरुण को लगा कि रानी करीब 25 साल की युवती है। इसी बीच दोनों ने होटल में मिलकर रात बिताई।

लेकिन होटल में मुलाकात के दौरान अरुण को सच्चाई का पता चला कि रानी असल में 52 साल की शादीशुदा महिला है, जिसके पति का नाम राजपाल है। अरुण का कहना है कि उसे धोखा दिया गया।

इसके बाद वह रानी से दूरी बनाने लगा ।इधर, रानी अपने पति को छोड़कर अरुण के साथ रहने का दबाव बनाने लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। फिर अरुण ने दोबारा मिलने के बहाने महिला को बुलाया और होटल रूम में उसका गला घोंटकर हत्या कर दी ।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं आरोपी अरुण राजपूत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पूरा मामला सोशल मीडिया पर बने अवैध संबंध और विवाद से जुड़ा सामने आया है। इंस्टाग्राम की ठरकी मोहब्बत का अंजाम - एक महिला की मौत और आरोपी युवक जेल की सलाखों के पीछे।

इटरा गांव में चोरों ने मचाई दहशत, फायरिंग के बाद भाग निकले

» ग्रामीणों ने डायल 112 पर दी सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस पर जांच से बचने के आरोप

» चार दिन पहले भी गांव में हुई थी चोरी, पुलिस खुलासा करने में नाकाम

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। बीते कुछ महीनों से कानपुर नगर और कानपुर देहात में चोरी की घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है। ग्रामीण इलाकों में आए दिन चोरों की अफवाह और घटनाएं सामने आ रही हैं। बीती रात बिठूर थाना क्षेत्र के इटरा गांव में ग्रामीणों ने चोरों को देखने का दावा किया। ग्रामीणों ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने फायरिंग कर दी और मौके से भाग निकले। घटना की जानकारी ग्राम प्रधान कृष्णपाल यादव को दी गई। प्रधान ने डायल 112 पर पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद टिकरा चौकी इंचार्ज बालेंद्र कुमार और दरोगा प्रदीप यादव मौके पर पहुंचे।

पुलिस की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों ने बताया कि महज़ चार दिन पहले ही गांव के राजा राम नामक युवक के घर चोरी की घटना हुई थी, लेकिन पुलिस अब तक उसका खुलासा नहीं कर पाई। लोगों का कहना है कि जब चार दिन पहले चोर गांव में वारदात को अंजाम दे चुके हैं, तो उनके दोबारा घुसने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। बावजूद इसके पुलिस ने न तो सक्रियता दिखाई और न ही सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि चौकी टिकरा की पुलिस क्षेत्र में लगातार लापरवाह रवैया अपनाए हुए है, जिसके कारण गांव में चोर बेखौफ होकर घूम रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि पुलिस ने गंभीरता से कार्रवाई नहीं की तो आने वाले दिनों में कोई बड़ी वारदात हो सकती है।

श्री सोटे वाले बाबा हनुमान मंदिर में वार्षिकोत्सव धूमधाम से शुरू

वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। किदवई नगर स्थित श्री सोटे वाले बाबा हनुमान मंदिर समिति (रजि.) द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 1 सितंबर से 9 सितंबर तक चलेगा।

मंदिर महंत पंडित नितिन शुक्ला ने जानकारी दी कि इस दौरान विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन किया

जा रहा है। इनमें श्रीरामचरित मानस पाठ, श्रीराम राज्याभिषेक, श्रीरामलीला, रावण दिग्विजय, दशरथ-वरिष्ठ संवाद, श्रीराम जन्म, ताड़का वध-अहिल्या उद्धार, गंगालीला, जनकपुरी भ्रमण, पुष्प वाटिका, धनुष भंग समारोह और सीता स्वयंवर प्रमुख हैं। इन प्रस्तुतियों को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

आगामी कार्यक्रमों में 8 सितंबर को मां भगवती का विशाल जागरण तथा 9 सितंबर को हवन और प्रसाद वितरण होगा। महंत के अनुसार विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करेंगे।

समारोह में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, शहर के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। पूरे क्षेत्र में फजय श्रीराम, जय बालाजी सरकार, जय हनुमानफ के जयकारों से भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

आईजीआरएस रैंकिंग: 75 जिलों में कानपुर 70वीं रैंक पर

शिकायत निस्तारण में घाटमपुर तहसील अव्वल

» सदर तहसील निकली फिसड्डी

» घाटमपुर तहसील को 86 रैंक, सदर तहसील 311 रैंक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । आईजीआरएस में लगातार गिर रही रैंक की फजीहत झेल रहे प्रशासन के लिए यह राहत भरी खबर है। अब तहसीलों में शिकायतों का निस्तारण में कुछ सुधार आया है। अगस्त में जारी आईजीआरएस रैंकिंग में आने वाली शिकायतों को हल करने में 350 तहसीलों में जिले में घाटमपुर तहसील अव्वल है। वहीं सदर तहसील सबसे खराब है। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अंतुष्ट फीडबैक और अफसरों के शिकायतकर्ता से बात न करने के चलते रैंक खराब हुई है। संबंधित अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले के तहसीलों की रैंक

350 तहसीलों में घाटमपुर को 100 में 88 नंबर मिले हैं और 86 रैंक मिली है। वहीं दूसरे नंबर पर नरवल तहसील 70 अंक और 247 रैंक है। तीसरे नंबर पर बिल्हौर तहसील को 69 अंक और 265 रैंक मिली है। वहीं सबसे फिसड्डी सदर तहसील को 62 अंक के साथ 311 रैंक मिली है। वहीं तहसील के अफसरों का कहना है कि शिकायतों के संतुष्टता के साथ निस्तारण को लगातार प्रयास किया जा रहा है।

75 जिलों में कानपुर 70वीं रैंक पर

महीने भर शिकायतों के निस्तारिकरण को लेकर अफसरों की जद्दोजहद की पोल आईजीआरएस की रैंकिंग ने खोल दी। प्रशासन का हर महीने एक नया शिगूफा कि इस तर शिकायतों का निस्तारण हो कि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो जाए। नया प्रारूप भी बनाया गया कि अब इस तरह से संतुष्ट किया जाए।

जुलाई में कानपुर 58 रैंक, 140 में 110 अंक और 78.57 प्रतिशत मिले थे। जिले ने सात पायदान की उछाल मारी थी तो इस दफा 12 पायदान लुढ़क गई है। अगस्त में 75 जिलों में कानपुर 70वीं रैंक पर है। 140 में 109 अंक और 77.86 प्रतिशत मिले हैं। आईजीआरएस रैंकिंग में इस बार भी सिर्फ फीडबैक और शिकायतकर्ता से अधिकारी द्वारा संपर्क न करने के कारण नंबर कटे हैं।

डीएम के कई प्रयास के बाद भी अफसरों और कर्मचारियों की लंबी फौज भी आईजीआरएस की रैंकिंग को संभालने में नाकामयाब साबित हो रही । पिछले महीने काफी सुधरी रैंकिंग फिर चारों खाने चित हो गई। द्धत्रस्ञ्र रैंकिंग में जिले का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है। अधिकारी अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं कर रहे हैं। जिससे शिकायतों का हकीकत में निस्तारण नहीं हो रहा है। जिससे जनता का फीडबैड अफसरों के प्रति काफी खराब है।

कानपुर के 65 केंद्रों पर पीईटी परीक्षा

सॉल्वर गिरोह पर प्रशासन की पैनी नजर

» 65 केंद्रों पर त्रिस्तरीय जांच और एआई से फेस रिकग्निशन, पुलिस बल की सख्त निगरानी

» कुल 92,064 अभ्यर्थी होंगे शामिल, दो दिन में दो पालियों में हो रही परीक्षा

प्रमुख संवाददात स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शनिवार को कड़ी सुरक्षा और तकनीकी निगरानी के बीच शुरू हो गई। पहली पारी सुबह 10 से 12 बजे तक हुई, जिसमें हजारों अभ्यर्थी दूसरे शहरों से कानपुर पहुंचे शहर के 65 परीक्षा केंद्रों, जिनमें चुन्नीगंज राजकीय इंटर कॉलेज, गोविंद नगर का आर्य कन्या इंटर कॉलेज और दुर्गा प्रसाद विद्या निकेतन शामिल हैं, पर सुबह 8:15 बजे से प्रवेश शुरू हुआ। 9:30 बजे तक चले प्रवेश के दौरान अभ्यर्थियों को त्रिस्तरीय जांच और एआई बेस्ड फेस रिकग्निशन से गुजरना पड़ा। सॉल्वरों पर नज़र रखने के लिए परीक्षा कक्ष में (वीओआईपी) तकनीक का उपयोग किया गया, वहीं हर केंद्र पर सीसी कैमरे लगाए गए हैं। मोबाइल और बैग की व्यवस्था न

होने से कई परीक्षार्थियों को परेशानी भी हुई।दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक होगी। प्रत्येक पाली में 23,016 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए 65 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 65 स्टेटिक मजिस्ट्रेट और 18 रिजर्व सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।दो दिन में दो पालियों में आयोजित इस परीक्षा में कुल 92,064 अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में गूंजा 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा'

- शहर काज़ी अनीसुर्रहमान की अगुवाई में निकला जुलूस
- जगह-जगह लंगर और स्वागत स्टाल से हुआ स्वागत
- एसडीएम व एसीपी सुरक्षा का जायजा लेने पहुंचे

जुलूस-ए-मोहम्मदी का इस्तक़बाल करते हुए लंगर स्टाल पर जुटे लोग

सराफा बाजार में तक़रीर करते मौलाना मुशर्रफ़ साथ में शहर काजी व अन्य

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को बिल्हौर कस्बे में जुलूस-ए-मोहम्मदी पूरे अकीदत और धूमधाम से निकाला गया। सुबह 10 बजे मदरसे से शहर काज़ी अनीसुर्रहमान की अगुवाई में जुलूस उठा और मुख्य मार्गों से होते हुए नगर पालिका चौराहे पर पहुँचा। यहां उलमा-ए-कराम ने मोहम्मद साहब की सीरत और उनकी शिक्षाओं पर तक़रीर पेश की।जुलूस में बच्चे, नौजवान और बुजुर्ग बड़ी तादाद में शामिल हुए। हाथों में तिरंगा और इस्लामी परचम थामे लोगों ने गंगा-जमुनी तहज़ीब की अनोखी मिसाल पेश की।

जब जुलूस सराफा बाज़ार पहुँचा तो मौलाना मुशर्रफ़ ने नज़्म पढ़नी शुरू की। उन्होंने जैसे ही सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा पढ़ा, पूरा इलाका देशभक्ति के जज़्बे से गूंज उठा। नौजवानों और बच्चों ने भी मिलकर नज़्म पढ़ी और माहौल को जोशीला बना दिया। कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। एसीपी अमरनाथ और एसडीएम संजीव दीक्षित ने जुलूस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज के नेतृत्व में पुलिस बल की टोलियाँ तैनात रहीं। खुफ़िया विभाग भी सक्रिय रहा, जिससे पूरा आयोजन शांति और सौहार्द के माहौल में सम्पन्न हुआ।

जगह-जगह लंगर से हुआ स्वागत

जुलूस के दौरान कस्बे में जगह-जगह लंगर और स्वागत स्टाल लगाए गए। पालिका चौराहे पर नगर पालिका अध्यक्ष इखलाक खान ने स्वागत किया। पालिका के सामने लगे बड़े स्टाल में समाजसेवी गुफ़रान कुरैशी, राजबाबू, साहिल, अरसद, जावेद कुरैशी, तौफ़ीक खान, अर्शलन बेग, नाज़मि, आशिफ़ समेत अन्य साथियों ने खाने-पीने की व्यवस्था की। समाजसेवियों ने कहा कि जुलूस-ए-मोहम्मदी अमन और भाईचारे का पैग़ाम देता है। वहीं पूर्व चेयरमैन शादाब ने लोगों को झंडे बांटे।

जीएनआरएफ फाउंडेशन की नेकी

हुजूर साहब के 1500वें जन्मदिन पर जीएनआरएफ फाउंडेशन ने भी समाजसेवा का परिचय दिया। टीम श्रीश हॉस्पिटल पहुंची और मरीजों व डॉक्टर्स को फल-फूट के बॉक्स भेंट किए। बाद में बिल्हौर थाने जाकर पुलिस अफसरों और जवानों को भी फल दिए गए। सभी के स्वस्थ जीवन और लंबी उम्र की दुआ की गई। इस दौरान फैज आलम कारी,हाजी मुफ़्ती याशीर अराफत, आसिफ समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जुलूस में सपाई भी पहुँचे

जुलूस जब पालिका चौराहे पर पहुँचा तो समाजवादी पार्टी की पूर्व विधायक प्रत्याशी रचना सिंह गौतम भी शामिल हुईं। उन्होंने लोगों को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। वहीं सपा नेता पूर्व चेयरमैन निर्भर सिंह के आवास पर विनय कोरी और आशीष चटरू ने पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया।

सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लेते एसडीएम और एसीपी।

सम्पादकीय

भारत के सुरक्षात्मक उपायों से जगी उम्मीद

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा।वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है।

कारखाने न बनें सरकारी स्कूल

सुधाकर शर्मा

यहां सवाल किसी स्कूल की छत ढहने का नहीं है, शिक्षा का सारा ढांचा ही जर्जर है। इस ढांचे की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों की जगह निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की नीति को बदलना होगा, शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।देश में बहुत कुछ हो रहा है- कहीं पुल ढह रहे हैं, कहीं सड़कें नदियां बनी हुई हैं, कहीं विमान- दुर्घटनाएं हो रही हैं, देश का उपराष्ट्रपति इस्तीफा दे रहा है, संसद में और सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकारी एजेंसियां छापेमारी में लगी हैं। अरबों-खरबों के घोटाले की बातें हो रही हैं। मतदाता सूचियों को खंगाला जा रहा है। लाखों नाम जुड़ रहे हैं, लाखों काटे जा रहे हैं।

नेतागण अपनी-अपनी पार्टी के गुणगान में लगे हैं, कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे किस नेता की बात सच मानें और किसकी झूठ। कहीं भ्रष्टाचार की बात हो रही है, कहीं चुनाव की... इस सारे शोर-शराबे में हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल की छत ढह जाने से सात बच्चों की जान चली गय। जो छत गिरी, दो साल पहले ही लगभग तीन लाख रुपये उसकी मरम्मत पर खर्च होने का दावा किया गया था। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं 'मामले की उच्च स्तरीय जांच' करायेंगे। हकीकत यह है कि देश में सरकारी स्कूल और उनमें दी जा रही शिक्षा दोनों जर्जर अवस्था में हैं। होती है कभी-कभी बात इस जर्जर अवस्था के बारे में, पर अक्सर 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा ही सुनाई देती है, उसके परिणाम कहीं सरकारी फाइलों में दबे पड़े रहते हैं। इस झालावाड़-कांड की जांच के साथ भी ऐसा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।सात बच्चों के मरने और चौबीस बच्चों के घायल होने वाले इस हादसे ने देश में सरकारी शिक्षा की स्थिति पर कुछ सवाल जरूर उठायें हैं, पर उनके उत्तर खोजने की बात कोई नहीं कर रहा। कोई नहीं पूछ रहा कि उन मासूमों का क्या कसूर था, जो खिलने से पहले ही कुम्हला गये? उनके अभिभावकों के सपनों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में कोई बात नहीं हो रही।संसद में 'आपरेशन सिंदूर' के बारे में चर्चा होती रही है। महत्वपूर्ण है यह विषय इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन देश के स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की गंभीरता और महत्व को क्यों नहीं समझा जा रहा? झालावाड़ का स्कूल अकेला नहीं है जिसकी इमारत जर्जर अवस्था में है। राजस्थान के ही नहीं देशभर के सरकारी स्कूलों की इमारतें और शिक्षा की स्थिति संसद में काम रोको प्रस्ताव की मांग कर रही है, पर कौन सुन रहा है इस मांग को?देश में नई शिक्षा नीति को लागू किया जा रहा है उसे लेकर विवाद भी उठ रहे हैं। पर यह दुर्भाग्य ही है कि प्राथमिक शिक्षा की स्थिति हमारी वरीयता में कहीं नहीं दिखाई दे रही। शिक्षा का माध्यम क्या हो, कितनी भाषाएं देश के बच्चे सीख रहे हैं जैसे कुछ सवाल यदि कहीं उठ भी रहे हैं तो वह भी अपने-अपने राजनीतिक हितों-स्वार्थों के खातिर ही। शिक्षा को लेकर जो बुनियादी चिंता दिखनी चाहिए, उसमें जो ईमानदारी झलकनी चाहिए, वह कहीं नहीं है। सवाल किसी झालावाड़ के सरकारी स्कूल की छत गिरने का नहीं है, देश के हर हिस्से में ऐसे स्कूल दिख जाएंगे जहां बच्चे दीवारें ढहने या छत गिरने के खतरे को झेलते हुए अपना भविष्य बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज देश में 74 हज़ार से अधिक स्कूल जर्जर अवस्था में हैं। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि देश में सरकारी स्कूल लगातार कम हो रहे हैं। अकेले मध्य प्रदेश में पिछले एक दशक में लगभग नब्बे हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सहज ही विश्वास नहीं होता इस आंकड़े पर, पर शिक्षा को लेकर जिस तरह की अराजकता हमारे देश में पसरी है उसे देखते हुए आश्चर्य भी होना चाहिए और चिंता भी।चिंता इस बात की भी होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों के बंद होने के साथ-साथ निजी स्कूलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अकेले उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ अरसे में 25 हज़ार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हुए हैं! इसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर है।

कम्बोडिया-थाईलैंड संघर्ष और सुलह के सवाल

थाईलैंड के फुमथम

डा0 जगदीप सिंह

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा...

हाल ही में प्राचीन शिव मंदिर प्रीह विहियर को लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ गयी थी। दोनों ओर जान-माल का नुकसान हुआ। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने शांति स्थापना करवाई है। मगर, मलेशिया और चीन ने कहा कि उनकी पहल पर ही शांति वार्ता संपन्न हुई।

भगवान शिव किसके हैं? उनकी आराधना से जुड़ा मंदिर किसका है? इसे लेकर कम्बोडिया और थाईलैंड में जंग छिड़ी और कुछ समय के लिए रुक गई। ट्रम्प इस जंग के रेफरी थे। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि एशिया में दो लड़ते देशों के बीच उन्होंने शांति स्थापना की है। पहले, भारत-पाकिस्तान, फिर ईरान-इस्राइल, और अब कम्बोडिया-थाईलैंड। व्हाइट हाउस ने पूरी दुनिया को सन्देश देने की कोशिश की है कि ट्रम्प की धमकी काम कर गई। मगर, मलेशिया और चीन ने भी दावा किया है, कि उनकी पहल पर थाई-कम्बोडिया के बीच शांति वार्ता संपन्न हुई।मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया ने 'तत्काल और बिना शर्त' युद्धविराम पर सहमति जताई है। सोमवार को मलेशिया की प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया स्थित प्रधानमंत्री अनवर के आवास पर थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने युद्धविराम वार्ता के लिए मुलाकात की थी। हुन मानेट ने ट्रम्प की 'निर्णायक' भूमिका की भी प्रशंसा की और कहा कि हमारे देश और पड़ोसी थाईलैंड के बीच 'विश्वास और भरोसे का पुनर्निर्माण' होगा। थाईलैंड के फुमथम, जिन्होंने पहले मलेशिया में वार्ता से पहले कंबोडिया की ईमानदारी पर संदेह व्यक्त किया था, ने कहा, कि थाईलैंड युद्धविराम पर सहमत हो गया है, जिसे 'दोनों पक्षों द्वारा सद्भावनापूर्वक लागू किया जाएगा।'दक्षिण-पूर्व एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के बीच एक दशक से भी ज्यादा समय से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। लड़ाई शुरू होने के चार दिन बाद, रविवार तक, मृतकों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई, जिनमें थाईलैंड में 13 और कंबोडिया में आठ नागरिक शामिल हैं। रविवार को स्कॉटलैंड में पत्रकारों से बात करते हुए, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने दोनों देशों को चेतावनी दी है कि अगर शत्रुता जारी रही, तो वाशिंगटन के साथ भविष्य के व्यापार समझौते निलंबित कर दिए जाएंगे।थाईलैंड और कंबोडिया 817 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करते हैं। साल 1904 में पहली फ़्रैंको-सायामी संधि हुई और दूसरी 1907 में फ्रांसीसी तृतीय गणराज्य और सियाम (वर्तमान थाईलैंड) के बीच हुई। 15 जून, 1962 को हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अंतिम निर्णय में कहा, कि साल 1904 की फ़्रैंको-सायामी संधि के हवाले से एक संयुक्त सीमा-निर्धारण आयोग बनाया गया था, जिसके बनाए नक्शे में उस मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया था। न्यायालय को इसके भी प्रमाण मिले कि थाईलैंड ने वास्तव में उस नक्शे को स्वीकार किया था, कि प्रीह विहियर मंदिर कंबोडियाई क्षेत्र में आता है। लेकिन थाईलैंड पलट गया।

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

कानपुर नगर निगम

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग। इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार (आईएएस) नगर आयुक्त

अथक प्रयास

कानपुर जोन पुलिस की बड़ी उपलब्धि

एडीजी आलोक सिंह के प्रयासों से शिकायत निस्तारण में लगातार पहले स्थान पर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रदेश में कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा को लेकर एक बार फिर कानपुर जोन पुलिस का जलवा कायम रहा है। एडीजी आलोक सिंह के नेतृत्व में कानपुर जोन ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक जारी 12 माह की रैंकिंग में कानपुर जोन ने लगातार प्रथम स्थान हासिल किया है। शासन द्वारा जारी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका त्वरित समाधान करना पुलिस की प्राथमिकता बनी हुई है।एडीजी आलोक सिंह ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जोन के सभी आठ जिलों में भयमुक्त वातावरण तैयार करने, आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश लगातार दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एंटी रोमियो स्क्वॉड को सक्रिय रखते हुए महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही आम नागरिकों को भी भरोसा दिलाया गया है कि भविष्य में भी जनता की शिकायतों का गंभीरता से समाधान किया जाएगा और बेहतर पुलिसिंग जारी रहेगी।यह उपलब्धि न केवल कानपुर जोन पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि शासन और जनता दोनों के बीच विश्वास को और मजबूत करती है।

दद्दा जी अनुयायी समिति ने किया शिक्षकों का सम्मान

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर दद्दा जी अनुयायी समिति के तत्वावधान में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, नवाबगंज में किया गया।

समारोह में पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, जुगलदेवी सरस्वती विद्या मंदिर, जय नारायण विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज एवं बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में समिति के संस्थापक योगेन्द्र चन्द्र कुरेले, उमा शंकर गुप्ता (सी.ए.), आनंद सेठ (दोसर वैश्य), किशनचन्द्र निगोतिया, विजय लहारिया, हरीराम सरावगी,

प्रशांत दमेले, अभय गुप्ता, पंकज सेठ, अनुराग अग्रवाल, ज्ञानेन्द्र सेठ, ब्रिजेश लहारिया, गिरीश घुरा, महेश बरसैंया, रविंद्र कुमार घुरा, अनुपम अग्रवाल, अनिल पहारिया, अनुपम नौगरैया और सत्येन्द्र सिंह गौड़ सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संस्थापक योगेन्द्र चन्द्र कुरेले ने कहा कि फ्रशिक्षक हमारे देश की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। इनका सम्मान करना हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

सेंट्रल स्टेशन पर लेबर पेन से जूझ रही गर्भवती महिला की सीआरपीएफ ने की मदद

» अस्पताल में जन्मी स्वस्थ बच्ची

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश करते हुए रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने गुरुवार को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक गर्भवती महिला की जिंदगी संवार दी। प्लेटफार्म संख्या 06 पर अचानक यात्री महिला को तेज प्रसव पीड़ा हुई तो आरपीएफ उपनिरीक्षक अंजना सिंह और महिला कांस्टेबल अंजना पटेल तत्काल मदद के लिए दौड़ीं।

पीड़िता ने अपना नाम राजवंती (31 वर्ष), पत्नी शिवकुमार, निवासी रानू गाँव, पोस्ट महुअरिया, थाना मोहरिया, जिला सोनभद्र बताया। वह अकेले यात्रा कर रही थी और तीव्र दर्द के कारण प्लेटफार्म पर ही लेट गई थी। सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम ने स्थिति को संभाला और तुरंत मधुराज क्लीनिक के डॉक्टर रितेश द्विवेदी को मौके पर बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एम्बुलेंस से उर्सुला हॉस्पिटल रेफर किया गया।

महिला कांस्टेबल की देखरेख में अस्पताल पहुंचाई गई राजवंती ने वहां एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। माँ और बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

राजवंती ने भावुक होकरसीआरपीएफ स्टाफ का आभार जताया। वहीं, रेलवे अधिकारियों ने भी आरपीएफ कर्मियों की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से रेलवे की छवि और भी सशक्त होती है।

अवकाश के बावजूद धूमधाम से मना शिक्षक दिवस, गुरुओं का हुआ सम्मान

» विद्यार्थियों ने सजाए कक्ष, दी डॉ. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि

» सामाजिक संस्थाओं और विद्यालयों में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शुक्रवार को ईद-ए-मिलाद का राजकीय अवकाश होने के बावजूद भोगनीपुर क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक संस्थानों में शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। जगह-जगह आयोजित कार्यक्रमों में लोगों ने राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन को याद करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।अमरौधा स्थित वृज बिहारी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों ने अपने-अपने शिक्षण कक्ष सजाकर विशेष आयोजन किया। प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य रामनाथ वर्मा, पुष्पेंद्र कुमार और प्रदीप कुमार ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक ही वह मार्गदर्शक हैं जो समाज को सही दिशा दिखाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि शिक्षक दिवस केवल कार्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि उनके बताए आदर्शों पर चलकर जीवन में सफलता हासिल करें।

इसी क्रम में श्याम नगर स्थित जी डिजिटल लाइब्रेरी के संचालक दया शंकर यादव ने कई शिक्षकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

इसमें श्री बृज बिहारी मेहरोत्रा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रामनाथ वर्मा, गायत्री शिक्षा सदन मुहम्मदपुर के कैलाश यादव, बेरीखेड़ा के महेंद्र सिंह, सीएमएस इंटर कॉलेज कठेठी के सेवानिवृत्त शिक्षक साहब लाल, देवीपुर आश्रम के इंजीनियर राम औतार और आदर्श जनता इंटर कॉलेज डोभा के श्रीराम कुशवाहा शामिल रहे। इस मौके पर शिक्षक विनीत कुमार बाजपेयी, रामबाबू, शारिक अली, गया प्रसाद शुक्ल, विकास मिश्र, दीप्ति पुरवार, कुलदीप कुमार सचान, अमित कुमार और सर्वेश सिंह भी मौजूद रहे।

हाईवे पर बैटरी रिक्शा को एंबुलेंस ने मारी टक्कर, दो गंभीर घायल

» हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त, पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर–झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लश्करी बाबा मजार के पास शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। भोगनीपुर निवासी इमरान बैटरी रिक्शा लेकर भोगनी से पुखरायां की ओर जा रहा था। इसी दौरान झांसी की तरफ से आ रही एंबुलेंस चालक तरुण (निवासी भोपाल, मध्य प्रदेश) ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और रिक्शा चालक समेत एंबुलेंस सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पुखरायां के सरकारी अस्पताल भिजवाया। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कर यातायात सुचारू कराया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर ने बताया कि घटना को लेकर तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रसूलाबाद में संपूर्ण समाधान दिवस

डीएम ने सुनी जनता की समस्याएं

» रसूलाबाद तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस पर भूमि, बिजली और राशन की शिकायतें हुईं दर्ज

» अधिकारियों को चेतावनी लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पारदर्शिता से करें कार्यवाही

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील रसूलाबाद में आज आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने खुद जनता की समस्याएं सुनीं और तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण

समाधान होना चाहिए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय भी मौजूद रहीं। दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों को मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दिए। समाधान दिवस में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, बिजली, पानी, सड़क और राशन कार्ड जैसी समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। कई मामलों में जिलाधिकारी ने तत्काल जांच टीम भेजने का निर्देश दिया।

डीएम कपिल सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर नागरिक की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शिकायतों पर ध्यान न देने या देरी करने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि निस्तारित शिकायतों की रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत करें। मौके पर एसडीएम सर्वेश कुमार, तहसीलदार संतोष कुमार, सीओ सौरभ वर्मा, कोतवाल हरमीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिकरू के राजन लाल को बेसिक शिक्षा मंत्री ने दिया राज्य शिक्षक पुरस्कार

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में किया गया सम्मानित

» शिक्षा में ढेरों नवाचारों के लिए चर्चा में आए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। राज्य अध्यापक पुरस्कार 2024 के लिए कानपुर नगर से चयनित चौबेपुर के शिक्षक राजन लाल को 5 सितंबर के दिन शिक्षक दिवस के अवसर पर लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सूबे के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संयुक्त रूप से दिया। उन्हें यह पुरस्कार नए नए नवाचारों जैसे कि शिक्षा आपके द्वार, बच्चों का जन्मदिन मनाना,मेरी गुल्लक मेरी पहचान,मन की बात बोलती पेटियां,स्टार ऑफ द डे,स्टार ऑफ द मंथ,स्टार ऑफ द स्टूडेंट,स्टार ऑफ द ईयर के प्रयोग तथा विद्या ज्ञान परीक्षा, अटल आवासीय परीक्षा एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों में बच्चों के चयन एवं बालिकाओं को गोद लेना समुदाय के छात्रों के लिए विद्या दान महादान अभियान के तहत निशुल्क पुस्तकालय और सभी बच्चों के लिए ड्रेस, आई कार्ड,टाई,बेल्ट,बैग आदि के लिए दिया गया है। शिक्षक राजन लाल चर्चित बिकरू गांव के मूल निवासी हैं।

बिल्हौर के शिक्षक शरीफ खान को सम्मानित करते बीएसए

लखनऊ में शिक्षक दिवस पर चौबेपुर के शिक्षक राजनलाल को सम्मानित करते बेसिक शिक्षा मंत्री और माध्यमिक शिक्षा मंत्री

शिक्षक दिवस पर बिल्हौर के शरीफ खान को भी किया गया सम्मानित

बिल्हौर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश, कानपुर नगर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर एल.टी.-1 हॉल, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री सुरजीत कुमार सिंह और जी.एस.वी.एम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के प्राचार्य डॉ संजय काला ने शिक्षकों को सम्मानित किया।बिल्हौर इण्टर कालेज, बिल्हौर के शिक्षक मो0 शरीफ खान और बीआरडी इंटर कालेज के राजेश कटियार को सम्मानित किया गया।

बाबा आनंदेश्वर व्यापारिक सेवा समिति द्वारा सांसद व पुलिस कमिश्नर का सम्मान समारोह

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं परमट मंदिर के परम भक्त सतेंद्र वाजपेई के द्वारा किया गया आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर के सुप्रसिद्ध परमट के श्री आनंदेश्वर धाम मंदिर परिवार से जुड़े नागरिकों ने कानपुर लोकसभा सीट से सांसद रमेश अवस्थी व पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का सम्मान किया। इस अवसर पर श्री आनंदेश्वर मंदिर के महंत अरुण भारती महाराज की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान बड़ी संख्या में श्री आनंदेश्वर मंदिर के सेवादार, स्वयंसेवक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन बाबा आनंदेश्वर व्यापारिक सेवा एवं सुरक्षा समिति ने किया।

कार्यक्रम के दौरान समिति ने वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया। इस दौरान मंदिर परिसर में तमाम व्यवस्थाओं में अतुलनीय योगदान देने वाले सेवादारों और स्वयं सेवकों को भी समिति की ओर से सम्मानित किया गया।

पूर्ववर्ती कांग्रेसी और वामपंथी सांसदों की उपेक्षा से पिछड़ा कानपुर

सम्मान समारोह में सांसद रमेश अवस्थी ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए कानपुर की जनता को आश्वस्त किया कि वह जनता की उम्मीदों पर शत प्रतिशत खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा डबल इंजन सरकार से उन्हें भरपूर सहयोग मिल रहा है।

जिसके चलते कुछ ही समय में कई बड़ी योजनाओं को कानपुर वासी साकार स्वरूप लेते देखेंगे। कानपुर के पिछड़ेपन के लिए उन्होंने वामपंथी और कांग्रेस के पूर्व सांसदों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा सन 52 के बाद चुने गए इन दलों के सांसदों ने यदि कानपुर के प्रति उपेक्षा का भाव ना रखा होता तो पूरब का यह मैनचेस्टर आज उद्योगों का खंडहर ना होता।

कमिश्नर बोले अपराधी या तो जेल में या फिर बिल में

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि राज्य सरकार की कुशल नीतियों और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का पूरे प्रदेश में व्यापक असर दिख रहा है। कानपुर में भी अपराधी या तो बिल में छुपे हुए हैं या फिर जेल में हैं। उन्होंने

श्री आनंदेश्वर मंदिर से जुड़े सेवादारों और स्वयंसेवकों के सेवा भाव की सराहना करते हुए सम्मान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष सत्येंद्र वाजपेई ने किया। व्यवस्था संभालने मे आनन्द शर्मा, विष्णु दीक्षित, विकास गुप्ता, धर्मेन्द्र शुक्ला, आशीष तिवारी, विनय द्विवेदी, अवधेश शुक्ला आदि रहे।

स्मृति के झरोखों से

...शिक्षक दिवस पर विशेष...

खान सर भी कहीं न टिक पाएं मोहन लाल गुरु जी के सामने!

अवनीश यादव
महामंत्री
प्रेस क्लब
बिल्हौर

» पढ़ाई का तरीका ऐसा कि वर्षों पहले पढ़ा हुआ आज भी है याद

» कई विषयों में हासिल कर रखी थी विशेष दक्षता

» गुरु जी की एक छड़ी से थर-थर कांपते थे बच्चे

» पढ़ाई के दौर की स्मृतियां आज भी हैं मस्तिष्क में अंकित

बिल्हौर (कानपुर)। गुरू मोहनलाल जी कक्षा 6,7,8 में पढ़ाते थे हमें। अपने गांव निबौरी से साइकिल पर रोजाना 5-6 किलोमीटर चलकर बंभियापुर आते थे। वेतन था मात्र 65 रु. प्रति माह। पर कोई गिला शिकवा नहीं। स्कूल की उस समय केवल मान्यता भर थी। वेतन सरकारी न था।विषय- अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, इतिहास और भूगोल सभी में पारंगत। पढ़ाने का देशी तरीका ऐसा कि आज के दौर के खान सर भी कहीं न ठहर पाएं। इतिहास में मोहन जोदड़ो, हड़प्पा की सभ्यता इतने आसान ढंग से पढ़ाई कि इतिहासकार राखलदास बनर्जी भी अभी तक याद हैं।

भूगोल का आखिरी घंटा होता था। गुरु जी दीवाल पर नक्शा टांगते थे और फिर एक एक लड़के का नम्बर लगता था। नक्शे के पास फर्श पर एक छड़ी से गोला खींच दिया जाता था।

जिसमें लड़के बारी बारी खड़े होते। यह लक्ष्मण रेखा होती थी। एक बार इसके भीतर आ जाने के बाद इससे बाहर नहीं निकल सकते थे। और गुरु जी के हाथ में होती थी शरारी छड़ी।गुरु जी का सवाल होता - ट्रांस साइबेरियन रेल कहां से चलती और कहां खत्म होती है, रास्ते के चार स्टेशन भी नक्शे पर दिखाइए।

किसी से सवाल होता - पानी का जहाज अदन से सामान भरकर रवाना होकर कोलम्बो जा रहा है, बीच में ईंधन आदि लेना है,रास्ते के बन्दरगाह दिखाइए,आदि आदि।

सही बता न पाने पर वह बेदर्द छड़ी बहुत सताती थी पर पक्का करके ही छोड़ती थी।

अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषा के गूढ़ रहस्य ऐसे चुटकियों में समझाते कि सहज रूप से मस्तिष्क में घर कर जाते।

एक बार एक लड़का लघुशंका के लिए बाहर जाने की इजाजत मांग रहा था, तो बोले पहले बता -डिड(Did) के साथ क्रिया (verb) की कौन सी शक्ल(form) में आएगी। जब तक उसने बता न दिया कि पहली शक्ल (first form) तब तक बेचारा लघुशंका को तरस गया।

जूनियर हाईस्कूल करते- करते हम लोग एक्टिव पैसिव और नरेशन तक पढ़ लिए थे। हाईस्कूल में मेरी अंग्रेजी में डिस्टिंक्शन इसी नींव की देन थी।

जब बड़े हुए कंप्टीशन की तैयारी की तो यह अंग्रेजी, संस्कृत इतिहास, भूगोल सब बहुत काम आया।

विशेषकर जनरल स्टडीज में। नींव का पत्थर जितना मजबूत रखा जाता है, भवन उतना ही मजबूत बनता है।

दरअसल हमारी सफलता केवल हमारी अपनी उपलब्धि नहीं होती। यह माता पिता व गुरुजनों का पुण्यफल और आशीर्वाद का परिणाम होता है।

अब गुरु जी नहीं हैं। लेकिन आज शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्हें याद करके उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके आशीर्वाद का आकांक्षी हूं।

(जैसा कृषि विभाग में उप निदेशक पद से सेवानिवृत्त अधिकारी बिल्हौर निवासी जी0सी0 कटियार ने बताया)

गुरू मोहनलाल के थे दो बेटे

बिल्हौर। गुरू मोहनलाल जी के दो पुत्र शिव कुमार और संतोष थे। संतोष निबौरी के ग्राम प्रधान रहे। अब वे दुनियां में नहीं हैं। वहीं शिव कुमार हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड लखनऊ से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उनके दो बेटे हैं। एक बेटा और एक बहू सरकारी सेवा में हैं।

गुरु मोहन लाल जी की एक तस्वीर युवावस्था और दूसरी वृद्धावस्था की है।

ईमानदारी की मिसाल: टोल प्लाजा पर यात्री का गिरा पर्स लौटाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बारा टोल प्लाजा, अकबरपुर (कानपुर देहात) में शनिवार को एक अनोखी मिसाल देखने को मिली। यहां से गुजर रहे यात्री शंकर तिवारी (निवासी - हाहरा, नौनापुर, तहसील भोगनीपुर, कानपुर देहात) का पर्स गलती से गैस पर्स लेन नंबर 40-06 में गिर गया।

इस पर्स में 6,781 नकद व जरूरी कागजात मौजूद थे। टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज से घटना की पुष्टि हुई। ड्यूटी पर तैनात शिफ्ट इंचार्ज राम कुमार उपाध्याय ने पर्स सुरक्षित पाया और बिना किसी लालच के उसे उसके वास्तविक मालिक को लौटा दिया।

यात्री शंकर तिवारी ने इस ईमानदार कदम के लिए टोल प्लाजा प्रबंधन

और विशेष रूप से शिफ्ट इंचार्ज की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे बीच ऐसे लोग हैं जो ईमानदारी और मानवता को सबसे ऊपर रखते हैं।

इस घटना से टोल प्लाजा स्टाफ की ईमानदारी और जिम्मेदारी का परिचय मिला है, जिसकी चर्चा इलाके में हो रही है।

अयोध्या का गुप्तार घाट बना कमाई का अड्डा

» कवच एजेंसी के गुर्गों की मनमानी चालीस रुपए चढ़ाओ, तभी एंट्री पाओ

» गुप्तारघाट में जनता बंधक,प्राधिकरण के जिम्मेदार मस्त

» एडीए की लापरवाही ने लूटी गुप्तारघाट की रौनक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।धर्म और आध्यात्म की राजधानी कही जाने वाली अयोध्या आजकल बंदिशों के बोझ तले कराह रही है। कभी मेले, कांवरियों और भक्तों से गुलजार रहने वाली गलियां अब वीरान और सन्नाटे में डूबी हैं। अयोध्यावासी

दबी जुबान में कह रहे हैं बंदिशें अब हमारी नियति बन चुकी हैं।

फैजाबाद शहरवासी खास तौर पर गुप्तार घाट जाना पसंद करते थे, मगर अब यहां प्रवेश के लिए 40 रुपए का एंट्री टैक्स देना होगा। कवच एजेंसी के लोग गाड़ियों को रोककर सीधे कहते हैं पहले टैक्स

दो, तभी घाट जाओ। पहले यह एजेंसी सिर्फ पार्क और पार्किंग शुल्क लेती थी, लेकिन अब पूरे घाट को कमाई का अड्डा बना लिया गया है। गाड़ियों को रोकने से स्थानीय दुकानदारों का कारोबार चौपट हो गया है। घाट पर दुकानों का एलॉटमेंट तो हो गया, मगर आधा दर्जन से भी कम दुकानें चल पा रही हैं।सबसे बड़ा सवाल यह है कि गुप्तार घाट पर तैनात लोग न तो किसी विभाग के कर्मचारी हैं और न ही वर्दीधारी सुरक्षाकर्मी। बावजूद इसके वे मनमाने तरीके से लोगों से वसूली कर रहे हैं। बाहरी कंपनियों के गुर्गों ने घाटों की पहचान तक बदल डाली है।

क्या कहते हैं स्थानीय नागरिक

रामकुमार, दुकानदार-दुकान एलॉट कर दी, लेकिन ग्राहक तक नहीं पहुंच पा रहे। घाट पर तो जैसे तालाबंदी हो गई है।सुषमा तिवारी, गृहिणी- परिवार संग गाड़ी लेकर घाट जाना अब सपना हो गया। हर जगह बैरिकेडिंग और टैक्स वसूली।

अमन वर्मा, छात्र- अयोध्या में रहना अब सजा जैसा लगता है। रौनक की जगह सिर्फ बंदिशें हैं।

श्यामलाल सिंह बुजुर्ग निवासी पहले लोग घाटों पर हंसी-खुशी जाते थे, अब तो जाने के लिए पराई कंपनियों से इजाजत लेनी पड़ती है।

शिक्षा मंदिर में चल रहा है दलाली का धंधा

» राजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय से में नियुक्ति के मामले में हो रही लीपापोती

» शिक्षा विभाग की गहराइयों तक फैला भ्रष्टाचार का जाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी में शिक्षा के पवित्र मंदिर भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते जा रहे हैं। राजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय अयोध्या में अध्यापकों की नियुक्ति को लेकर उठे सवालों ने शिक्षा विभाग की पूरी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।समाज सेवी राजेश सिंह मानव ने मंडलायुक्त अयोध्या को लिखे शिकायती पत्र में आरोप लगाया था कि भारी उत्कोच (रिश्वत) लेकर अध्यापकों की नियुक्तियां की जा रही हैं। योग्य और उच्च शिक्षित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में जानबूझकर अयोग्य घोषित किया जा रहा है।

मनमाने ढंग से नियुक्ति प्रक्रिया चलाई जा रही है। यही नहीं, महंत संतोष दास ने भी प्रबंधतंत्र की वैधता और नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए।सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि जब शिकायतें लंबित थीं, तब भी महाविद्यालय प्रबंधतंत्र ने विज्ञापन निकालकर साक्षात्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। विज्ञापन भी ऐसे दो अखबारों में निकाला गया जिनकी प्रसार संख्या ही शून्य है। जबकि नियमो में कहा गया है कि अच्छी प्रसार संख्या वाले अखबारों में ही विज्ञापन प्रकाशित कराएं जायँ। नियुक्तियां रोकने के आदेश और न्यायालय में चल रही याचिकाओं को भी नजरअंदाज कर दिया गया।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपने पत्र में साफ किया है कि नियुक्ति प्रक्रिया उनकी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की देखरेख में होती है। उन्होंने रिश्वतखोरी की बात से अनभिज्ञता जताई और खुद को सीमित भूमिका वाला सदस्य बताकर पल्ला झाड़ लिया। जबकि नियमो में साफ लिखा है कि डीआईओएस के पूर्व अनुमति से ही नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी यानी शिकायतकर्ता दर-दर की ठोकरें खाए, लेकिन विभाग के अधिकारी कान पर जूं तक नहीं रेंगने देना चाहते।

मामले में कई याचिकाएं हुई दायर

बता दें कि उक्त मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खंडपीठ में याचिकाएं दायर हैं। विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार, प्रबंधतंत्र की वैधता तय करने का अंतिम अधिकार कुलपति के पास है। मगर भ्रष्टाचार का खेल तब तक बदस्तूर जारी है, जब तक फैसले नहीं आते। शिक्षक पद, जो ज्ञान और संस्कार की नींव रखने के लिए होते हैं, अब खरीद-फरोख्त की दुकान बन चुके हैं। लाखों-करोड़ों की बोली लग रही है। ईमानदार और प्रतिभाशाली युवा हाशिये पर धकेले जा रहे हैं। माँ सरस्वती के मंदिरफ़ में दलालों का कब्ज़ा बढ़ता जा रहा है।

स्वराज इंडिया के सवाल

क्या विश्वविद्यालय और विभाग केवल अपनी जिम्मेदारी टालने के लिए हैं?

जब शिकायतें लंबित थीं तो नियुक्ति प्रक्रिया क्यों आगे बढ़ाई गई?

आखिर योग्य युवाओं की मेहनत और भविष्य के साथ ये खिलवाड़ कब तक चलेगा?

यह महज़ एक महाविद्यालय की कहानी नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की सड़ांध की झलक है। अगर अब भी नकेल नहीं कसी गई तो आने वाली पीढ़ियां भ्रष्टाचार से उपजे शिक्षक ही पाएंगी, जो शिक्षा को धंधा और धंधे को शिक्षा बना देंगे।

कचहरी में हथियार! सुरक्षा पर सवाल

» एएस टीम के निरीक्षण के दौरान मिला असलहा व कारतूस

» 2007 का खौफ़ ताज़ा उसी सेट पर फिर मिला हथियार

» मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा चेक के बावजूद कैसे पहुँचे तमंचे?

» जांच में जुटी पुलिस और खुफिया एजेंसिया

» बार एसोसिएशन ने दी चेतावनी दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की कचहरी एक बार फिर सनसनी के साए में आ गई। शनिवार को कचहरी परिसर के सेट नंबर-5 से संदिग्ध झोले में दो तमंचे और कई जिंदा कारतूस सुबह 6 बजे एएस जांच टीम के निरीक्षण के समय बरामद हुए।

अचानक मिली इस बरामदगी ने अधिवक्ताओं और आमजन में दहशत फैला दी। हर तरफ एक ही चर्चा आख़िर इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर हथियार अंदर कैसे पहुँचे?वर्ष 2007 में इसी सेट पर आतंकियों ने बम से हमला किया था, जिसमें एक अधिवक्ता की मौत हो गई थी। अब उसी स्थान पर दोबारा हथियार मिलना संयोग भर है या किसी बड़ी साज़िश का संकेत इस पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह घटना उन्हें 2007 के उस खौफ़नाक मंजर की याद दिला रही है।

कचहरी परिसर के गेट पर मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के बावजूद तमंचे और कारतूस का अंदर पहुँचना सुरक्षा में बड़े छेद की ओर इशारा करता है।

अधिवक्ताओं ने कड़ी नाराज़गी जताते हुए कहा अगर हम न्यायालय परिसर में भी सुरक्षित नहीं, तो आम जनता कैसे सुरक्षित रह सकती है? घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस, फॉरेंसिक टीम और खुफिया विभाग के अधिकारी मौके पर पहुँच गए। बरामद हथियार कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

अधिवक्ताओं की प्रतिक्रिया

बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता बोले यह सिर्फ सुरक्षा की चूक नहीं बल्कि प्रशासन की लापरवाही है। अगर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। विपक्षी दलों ने भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। एक स्थानीय नेता ने कहा 2007 के बाद आज तक सरकारों ने सुरक्षा के नाम पर करोड़ों खर्च कर दिए, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। यह बरामदगी इस बात का सबूत है कि अयोध्या आज भी असुरक्षित है

घुसपैठ पर कठोर कार्रवाई करेगा या फिर लीपापोती होगी? क्या अधिवक्ताओं और जनता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है या केवल कागज़ों पर सुरक्षा प्रोटोकॉल दिखाना? कचहरी न्याय का मंदिर है। अगर इस मंदिर की चौखट पर ही हथियार मिलें, तो यह लोकतंत्र की नींव पर सीधा हमला है। प्रशासन अब चुप रहा तो यह लापरवाही किसी बड़ी त्रासदी को जन्म दे सकती है।